[This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.	

ASME-23B-PHIL-II

PHILOSOPHY (PAPER-II)

दर्शनशास्त्र (पेपर-II)

Time Allowed : 3 Hours
निर्धारित समय : 3 घंटे

[Maximum Marks : 100
अधिकतम अंक : 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions .

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

1. There are EIGHT questions printed in both. English and Hindi.
   इसमें आठ प्रश्न हैं जो अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में छपे है ।
2. Candidate has to attempt FIVE questions in all either in English or Hindi.
   उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में देने हैं ।
3. Question No. 1 is compulsory. Out of remaining seven questions, FOUR are to be attempted.
   प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है । शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question/ part are indicated against it.
   सभी प्रश्नों के समान अंक हैं । प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए है ।
5. Write answers in legible handwriting. Illustrate your answers with suitable sketches and diagrams, wherever considered necessary.
   सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखिए । जहां भी आवश्यक समझा जाए, वहाँ अपने उत्तरों को उपयुक्त रेखाचित्रों और आरेखों के साथ स्पष्ट कीजिए ।
6. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   प्रश्न के भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए ।
7. Attempts of the questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रुप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो । खाली छोड़ें गए कोई भी पृष्ट अथवा पृष्ठ के भाग को पर्णतः काट दीजिए ।
8. Re-evaluation/ re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
   उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुनः जाँच की अनुमति नहीं है ।

1. **Write short notes on the following:** 5x4=20

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:

(a) Tri-ratnas of Jainism

जैनदर्शन में त्रिरत्न

(b) Gītā's notion of Svadharma

गीता में स्वधर्म की अवधारणा

(c) Yama and Niyama of Yoga

योग में यम तथा नियम

(d) Concept of *Ṛṇ* in Classical Indian Ethics

शास्त्रीय भारतीय नीतिशास्त्र में ऋण की अवधारणा

2. Explain why the capacity of individuals to act independently and to make their own free choices, based on their will is a necessary presupposition of morality. Can this presupposition be reconciled with the idea of determinism? Critically discuss. 20

व्यक्तियों की स्वतंत्र रूप से कर्म करने और अपनी इच्छा के आधार पर स्वतंत्र चुनाव करने की क्षमता नैतिकता की एक आवश्यक पूर्वधारणा क्यों है? क्या इस पूर्वधारणा को नियतिवाद के विचार के साथ सुसंगत किया जा सकता है? समालोचनात्मक व्याख्या कीजिये।

3. Is immortality of soul a necessary postulate for the theory of karma? Discuss with reference to Buddhist theory of karma and rebirth. 20

क्या आत्मा की अमरता कर्म के सिद्धांत के लिए एक आवश्यक पूर्वमान्यता है? कर्म और पुनर्जन्म के बौद्ध सिद्धांत के संदर्भ में व्याख्या कीजिये।

4. Are the notions of revelation and faith reconcilable with reason? Critically discuss with reference to philosophical views propounded by Augustine and Aquinas. 20

क्या इलहाम और आस्था की धारणाएं तर्कबुद्धि के साथ सुसंगत हैं? ऑगस्टीन और एक्विनास द्वारा प्रतिपादित दार्शनिक विचारों के संदर्भ में आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।

5. What are the main tenets of secularism? Explain the notion of *dharma-nirpekshatā* and *sarva-dharma-sambhāva* in this context. 20

धर्मनिरपेक्षता (सेकुलरिस्म) के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? इस संदर्भ में धर्म-निर्पेक्षता और सर्व-धर्म-समभाव की धारणा को स्पष्ट करें।

6. Critically discuss Frege's theory of sense and reference. 20

फ्रेगे के अर्थ (सैन्स) और निर्देश/संकेत (रिफ्रेन्स) के सिद्धांत की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।

7. Present the main points of difference between Hobbe's and Locke's view of individual and the state. 20

व्यक्ति और राज्य के विषय में हॉब्स और लॉक के दृष्टिकोण में अंतर के मुख्य बिंदु प्रस्तुत कीजिये।

8. What are the main objections presented by the supporters of reformative idea of punishment against deterrent and retributive theory of punishment? How are these objections addressed in their own theory? Critically discuss. 20

दंड के सुधारवादी विचार के समर्थकों द्वारा दंड के निवारक और प्रतिशोधात्मक सिद्धांत के विरुद्ध प्रस्तुत मुख्य आक्षेप क्या हैं? इन आक्षेपों को उनके अपने सिद्धांत में किस प्रकार निर्देशित/विवेचित किया गया है? आलोचनात्मक चर्चा करें।

****